Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

तृतीय अध्याय

अध्याय – तृतीय

शोध–विधि

3.1 शोध की रूपरेखा

प्रस्तुत अध्याय में शोध कार्य की विधि, उपकरण, प्रतिदर्श का चयन एवं प्रदत्तों के संकलन का वर्णन किय गया है ।

"प्राथमिक अध्यापक शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की विषयगत आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र (प्रथम द्वितीय–गणित, तृतीय–हिन्दी, चतुर्थ–सामाजिक विज्ञान, पंचम–विज्ञान) के परीक्षण का अध्ययन करना था जिसके लिये निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई

1. प्रतिदर्श का चयन, 2. उपकरण, 3. प्रदत्तों (आँकड़ों) का संकलन

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3.2 प्रतिदर्श का चयन

प्रस्तुत अध्ययन में दो जिला एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइड), नौगाँव, जिला–छतरपुर और पन्ना जिले के डाइट के 50 + 50 कुल 100 महिला प्रशिक्षणार्थियों सहित प्रतिदर्श हेतु चयन किया गया ।

प्रतिदर्श का विवरण

तालिका क्रमांक – 1

डाइट	स्त्रोत प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
नौगाँव, छतरपुर (म.प्र.)	50
पन्ना (म.प्र.)	50
कुल संख्या	100

3.3 उपकरण

अध्ययन के उद्देश्यों के साथ मेल खाते हुए निम्नलिखित उपकरण अनुसंधानकर्त्ता ने प्रयोग किये–

प्राथमिक अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000, (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद) के संशोधित उपकरण को परीक्षण हेतु लिया गया ।

प्रपत्र दो–गणित, प्रपत्र तीन–हिन्दी, प्रपत्र चार–सामाजिक विज्ञान, प्रपत्र पाँच–विज्ञान आदि को शोधार्थी द्वारा डाइट के 50–50 कुल 100 महिला प्रशिक्षणार्थियों के साथ समूह में प्रशासित किया गया है । किसी भी प्रपत्र के भरने की समय सीमा नहीं थी प्रत्येक का मूल्यांकन, सही और गलत के संदर्भ में लिया गया ।

प्रपत्र प्रथम – अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000

इस प्रपत्र में व्यावहारिक ज्ञान की मूल अवधारणाओं से संबंधित प्रश्नों को लिया गया है । इस प्रपत्र में 16 प्रश्न बहुविकल्पीय रखे गये हैं । किसी भी प्रपत्र की समय सीमा नहीं है । इसका प्रशासन शोधकर्त्ता द्वारा डाइट के 100 प्रशिक्षणार्थियों पर हुआ है । इसका मूल्यांकन सही और गलत के संदर्भ में लिया गया है ।

प्रपत्र द्वितीय – (गणित) अध्यापक, आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000

इस प्रपत्र में गणित की मूल अवधारणाओं से संबंधित प्रश्नों को लिया गया है । इस प्रपत्र में 2. प्रश्न रखे गये हैं जिसमें वस्तुनिष्ठ और खुले प्रश्न एवं 1 प्रश्न बहुविकल्पीय के रूप में था । किसी भी प्रपत्र की समय सीमा का निर्धारण नहीं रखा गया है । इसका प्रशासन शोधकर्त्ता द्वारा, डाइट के 100 प्रशिक्षणार्थियों के समूह पर हुआ है । इसका मूल्यांकन सही और गलत के संदर्भ में लिया गया है ।

प्रपत्र तृतीय – (हिन्दी) अध्यापक, आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000

इस प्रपत्र में हिन्दी के आठ प्रश्नों को, जिनमें अनुच्छेद, वाक्य सुधार, व्याकरण संबंधी प्रश्नों की अवधारणाओं को वस्तुनिष्ठ और दो वाक्यों के उत्तर देने वाले खुले प्रश्नों को रखा गया है । इसका प्रशासन शोधकर्त्ता द्वारा डाइट के 100 प्रशिक्षणार्थियों के समूह पर लिया गया है । इसका मूल्यांकन भी गलत और सही के संदर्भ में लिया गया है । समय बंधन नहीं है ।

प्रपत्र चतुर्थ – (सामाजिक विज्ञान) अध्यापक, आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000

इस प्रपत्र में सामाजिक विज्ञान की मूल अवधारणाओं से संबंधित 14 प्रश्नों में से 11 प्रश्न दो वाक्यों के उत्तर वाले, 1 प्रश्न जोड़ा बनाने के लिए और दो प्रश्न बहु–विकल्पीय रखा गया था । इसका प्रशासन शोधकर्त्ता द्वारा डाइट के 100 प्रशिक्षणार्थियों के समूह पर लिया गया है । इसका मूल्यांकन भी गलत और सही के संदर्भ में लिया गया है । समय बंधन नहीं है ।

प्रपत्र पंचम – (विज्ञान) अध्यापक, आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति पत्र 1999–2000

इस प्रपत्र में विज्ञान की मूल अवधारणाओं से संबंधित 12 प्रश्नों में से 11 प्रश्न बहु विकल्पीय प्रकार के और एक प्रश्न खुला उत्तर वाला रखा गया था । समय बंधन नहीं था । इसका प्रशासन शोधकर्त्ता द्वारा डाइट के 100 प्रशिक्षणार्थियों के समूह पर लिया गया है । इसका मूल्यांकन भी गलत और सही के संदर्भ में लिया गया है ।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

तालिका क्र. 2 प्रपत्रों के प्रश्नों का विवरण

	विषयवार प्रपत्र एवं प्रश्न संख्या	प्रश्नों का प्रकार		
प्रपत्र क्रम संख्या	विषय	प्रश्नों की कुल संख्या	वैकल्पिक प्रश्न	अति लघु उत्त प्रश्न
1.	अध्यापक आवश्यकता सम्प्राप्ति प्रपत्र–प्रथम	16	16	–
2.	अध्यापक आवश्यकता सम्प्राप्ति प्रपत्र–द्वितीय	20	–	20
3.	अध्यापक आवश्यकता सम्प्राप्ति प्रपत्र–तृतीय	8	1	7
4.	अध्यापक आवश्यकता सम्प्राप्ति प्रपत्र–चतुर्थ	14	3	11
5.	अध्यापक आवश्यकता सम्प्राप्ति प्रपत्र–पंचम	12	11	1
	योग	70	31	39

3.4 प्रदत्तों का संकलन

प्रदत्तों का संकलन अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति प्रपत्रों 1999–2000 जो कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के संशोधित उपकरण के द्वारा जिसमें समय बंधन नहीं था, जिसका प्रशासन नौगाँव, जिला–छतरपुर और पन्ना डाइट के कुल 100 प्रशिक्षणार्थियों के समूह पर प्रदत्त संकलित किये गये । इस हेतु शोधकर्त्ता ने स्वयं जाकर प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी से प्रपत्र प्राचार्य की अनुमति से भरवाये गये । तत्पश्चात् संकलन करके विश्लेषण, परिणाम हेतु कार्य किया गया ।

3.5 प्रदत्त सारणीयन

प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त, प्राथमिक अध्यापक आवश्यकता सम्प्राप्ति प्रपत्र 1999–2000, में खुले प्रश्न शामिल थे । प्राप्त विस्तृत उत्तरों का सारणीयन किया गया है । सारणी में एक ओर प्रश्न क्रमांक हैं, दायीं ओर प्राथमिक अध्यापक आवश्यकता संबंधी सम्प्राप्ति प्रपत्रों की उत्तर प्राप्ति (उपलब्धि) का विवरण है ।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal